www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 166 | जौनपुर शनिवार, 31 जनवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

बापू के आदर्श विकसित भारत की प्रेरणा : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी 78वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने कहा कि बापू के आदर्श हमें एक विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर मेरा शत–शत नमन। पूज्य बापू का हमेशा स्वदेशी पर बल रहा, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का भी आधारस्तंभ है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व देशवासियों को कर्तव्य पथ पर चलने के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा।ष उन्होंने आगे लिखा कि पूज्य बापू ने मानवता की रक्षा के लिए हमेशा

अहिंसा पर बल दिया। इसमें वह शक्ति है जो बिना हथियार के दुनिया को बदल सकती है। अहिंसा परमो अहिंसा परमं सत्यं यतो धर्मः प्रवर्तते। अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है, अहिंसा ही सबसे बड़ा तप है और अहिंसा ही परम सत्य है, जिससे धर्म की स्थापना होती है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें सत्य, अहिंसा और सद्भाव के उनके आदर्श आज भी भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को मानवता का मार्ग दिखाते हैं। उनका जीवन हमें सेवा, समर्पण और नैतिक साहस की प्रेरणा देता रहेगा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, अहिंसा परमो धर्म के पथप्रदर्शक, सत्य और करुणा के अग्रदूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पूज्य बापू ने स्वच्छता को स्वराज की आधारशिला माना– आइए, स्वच्छ भारत के संकल्प के साथ उनके सपनों के भारत के निर्माण का संकल्प लें। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आपने सत्य, अहिंसा एवं एकता के संदेश से मानवता की सेवा का मार्ग दिखाया। आपका जीवन लोककल्याण के पावन ध्येय की प्राप्ति का अनुकरणीय अध्याय है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा।

मार्च में राम के दर्शन करेंगी द्रौपदी मुर्मू, अयोध्या में स्वागत की भव्य तैयारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। चल रहे कार्यों की समीक्षा के लिए दो दिवसीय बैठक शुरू हुई। मीडिया से बात करते हुए मिश्रा ने बताया कि राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्यों ने हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें भगवान राम लल्ला के दर्शन के लिए अयोध्या आने का निमंत्रण दिया। राष्ट्रपति ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और मार्च में अयोध्या आने वाली हैं, हालांकि सटीक तिथि अभी तय नहीं हुई है। मिश्रा ने बताया कि ट्रस्ट को कई बहुमूल्य विरासत ग्रंथ प्राप्त हुए हैं। इनमें दिल्ली के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से संबंधित वाल्मीकि रामायण की लगभग 400 साल पुरानी संस्कृत लिपि में लिखी टीका भी शामिल है। यह पांडुलिपि पहले राष्ट्रपति भवन संग्रहालय में रखी थी। हालांकि, ट्रस्ट के अनुरोध पर और गर्भगृह के पास मंदिर परिसर की दूसरी मंजिल पर रामायण को रखने की व्यवस्था को ध्यान में

रखते हुए, पांडुलिपि को अब स्थायी रूप से ट्रस्ट को भेंट कर दिया गया है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पांडुलिपि को अयोध्या लाए हैं। मिश्रा ने पत्रकारों को बताया कि ट्रस्ट को दिल्ली के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से कुछ विरासत पुस्तकें प्राप्त हुई हैं, जिनमें संस्कृत लिपि में लिखी गई वाल्मीकि रामायण की लगभग 400 साल पुरानी टीका भी शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

बच्चों ने मां के प्रेमी पर मारपीट करने का आरोप लगाया

केरल, (एजेंसी)। केरल मानवाधिकार आयोग ने यहां मीनांगडी पुलिस को दो बच्चों की शिकायत पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, जिसमें उन्होंने अपनी मां के अवैध संबंधों के कारण मानसिक और शारीरिक कष्ट झेलने का आरोप लगाया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 14 वर्षीय लड़के और आठ वर्षीय लड़की ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि मां के प्रेमी ने उन दोनों को पीटा। उनकी मां के अवैध संबंधों के कारण पिता ने परिवार को छोड़ दिया है। सूत्रों के अनुसार, पिता का तबादला कर्नाटक हो गया है और वह अपनी पत्नी के साथ नहीं रहना चाहता है। उसकी पत्नी एक सरकारी कर्मचारी है। आयोग के न्यायिक सदस्य के. बायजुनाथ ने मीनांगडी थाना के प्रभारी (एचएचओ) को बच्चों की शिकायत पर तत्काल कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। आयोग ने बच्चों को यह भी निर्देश दिया कि यदि भविष्य में उन्हें अपनी मां या उसके मित्र से किसी प्रकार की परेशानी या अन्य धमकियों का सामना करना पड़े तो वे एसएचओ से संपर्क करें। पुलिस ने आयोग को बताया कि पारिवारिक विवादों में कार्रवाई करने की उसकी कानूनी सीमाएं हैं। पुलिस ने यह भी कहा कि बच्चों की मां को चेतावनी दी गई है ।

सीमा पर बाड़बंदी के लिए अधिग्रहित भूमि बीएसएफ को सौंपे बंगाल सरकार : हाई कोर्ट

कोलकता, (एजेंसी)। कोलकता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया है कि वह भारत–बांग्लादेश सीमा पर कांटेदार तार की बाड़ लगाने के लिए नौ सीमावर्ती जिलों में अधिग्रहित की जा चुकी भूमि 31 मार्च तक सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंप दे। अदालत ने बृहस्पतिवार को कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत की कुल सीमा का आधे से अधिक हिस्सा पश्चिम बंगाल में है और 2016 से मंत्रिपरिषद के बार–बारनिर्णय लेने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय सीमा के बड़े हिस्से अब भी बिना बाड़ के हैं। मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन की खंडपीठ ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े दायित्वों में प्रशासनिक या चुनावी कारणों से देरी नहीं की जा सकती। पीठ ने स्पष्ट किया कि जिस भूमि का अधिग्रहण हो चुका है और जिसके लिए केंद्र सरकार धनराशि दे चुकी है, उसे बिना किसी देरी के बीएसएफ को सौंपा जाना चाहिए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनाव की तैयारियों जैसे कारणों को आदेश के अनुपालन में बाधा के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह आदेश सेवानिवृत्त वरिष्ठ सैन्य अधिकारी सुब्रत साहा द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिसमें दावा किया गया था कि भूमि सौंपने में राज्य सरकार की विफलता से तस्करी और सीमा पार घुसपैठ को बढ़ावा मिला है।

सीएम योगी का निर्देश, विभागों की वार्षिक कार्ययोजना 15 अप्रैल तक स्वीकृत हो

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में परियोजनाओं की वित्तीय स्वीकृति प्रक्रिया को तेज, सरल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि विभागीय मंत्री स्तर से मिलने वाली स्वीकृति की सीमा, जो अभी 10 करोड़ रुपए तक है, उसे बढ़ाकर 50 करोड़ रुपए किया जाए। 50 से 150 करोड़ रुपए तक की परियोजनाओं की मंजूरी वित्त मंत्री स्तर से और 150 करोड़ रुपए से अधिक

लागत वाली परियोजनाओं की स्वीकृति मुख्यमंत्री स्तर से दी जाए, जिससे परियोजनाओं को समय पर वित्तीय मंजूरी मिले और काम तेजी से आगे बढ़े। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे अपनी वार्षिक कार्ययोजना 15 अप्रैल तक हर हाल में स्वीकृत करा लें। समयसीमा का पालन न करने वाले विभागों की सूची मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी परियोजना की लागत में 15: से ज्यादा बढ़ोतरी होने पर विभाग कारण सहित पुनः अनुमोदन प्राप्त करे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को वित्त विभाग की विस्तृत समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने राज्य की राजकोषीय स्थिति, बजट प्रबंधन, पूंजीगत व्यय, निर्माण कार्यों की व्यवस्था, एकमुश्त प्रावधान, डिजिटल वित्तीय सुधार, कोषागार प्रक्रियाएं, पेंशन व्यवस्था और विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को सुदृढ़, पारदर्शी और रिजल्ट ओरिएंटेड वित्तीय प्रबंधन का आदर्श राज्य बनाना है।

सरकारी और निजी बैंकों से 2.5 गुना हुई इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की पहुंच : सिंधिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज सदन में भारतीय डाक विभाग की राष्ट्रीय उपलब्धियों, डिजिटल परिवर्तन और सेवा विस्तार से जुड़े कई महत्वपूर्ण आँकड़े प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि इंडिया पोस्ट आज न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व की सबसे व्यापक और प्रभावी वितरण प्रणाली के रूप में कार्य कर रहा है, जो डाक और पार्सल के साथ–साथ नागरिकों तक सरकार और निजी क्षेत्र की लगभग हर सेवा पहुँचाने में सक्षम है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश के साढ़े छह लाख से अधिक गाँवों में फैले 1,65,000 डाक केंद्रों के माध्यम से इंडिया पोस्ट

देश का सबसे बड़ा सेवा नेटवर्क संचालित कर रहा है, जिसमें से लगभग 90 प्रतिशत केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। केन्द्रीय मंत्री ने साथ ही बताया कि डाक विभाग आईटी 2.0 और एपीटी के साथ तेजी से डिजिटल समावेशन कर रहा है और साथ ही इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक भी तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। सिंधिया ने बताया कि डाक विभाग में वित्तीय समावेशन में ऐतिहासिक प्रगति की है। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत देशभर में लगभग 3.75 करोड़ खाते खोले जा चुके हैं। पोस्ट ऑफिस सेविंग्स बैंक के अंतर्गत करीब 38 करोड़ खाते सक्रिय हैं, जिनमें लगभग ध्22 लाख करोड़ का डिपॉजिट है, जो पिछले दस वर्षों में ध्6 लाख करोड़ से बढ़कर साढ़े तीन गुना हो चुका है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (प्च्च्ठ), जिसकी शुरुआत 2018 में हुई थी, आज 13 करोड़ खाताधारकों तक पहुँच चुका है और इसके माध्यम से अब तक लगभग ध्1,37,000 करोड़ की डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर राशि वितरित की जा चुकी है। पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस के अंतर्गत लगभग 1.25 करोड़ खाते हैं, जिनमें ध्2 लाख करोड़ से अधिक का डिपॉजिट है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देशभर में 452 पासपोर्ट सेवा केंद्र डाक विभाग के माध्यम से संचालित हो रहे हैं, जिनके जरिए अब तक 2 करोड़ से अधिक पासपोर्ट जारी किए जा चुके हैं।

बापू एक व्यक्ति नहीं सोच हैं, अहंकारी सत्ता ने इसे मिटाने की असफल कोशिश की : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया और कहा कि बापू एक व्यक्ति नहीं, बल्कि सोच हैं जो कभी मिट नहीं सकती क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस सोच को कभी अंग्रेजी साम्राज्य ने, कभी नफरत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया, महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं –वह सोच जिसे कभी एक साम्राज्य ने, कभी नफरत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की। मगर

राष्ट्रपिता ने हमें आजादी के साथ यह मूलमंत्र दिया कि सत्ता की ताकत से बड़ी सत्य की शक्ति होती है – और हिंसा व भय से बड़े अहिंसा और साहस। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह सोच मिट नहीं सकती, क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। राहुल गांधी ने कहा, बापू को उनके शहीदी दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सरदार वल्लभभाई पटेल और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बीच 1948 में हुए पत्राचार का उल्लेख करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, महात्मा गांधी की हत्या से दो दिन पहले पंडित जवाहरलाल नेहरू ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को एक पत्र लिखा था। कुछ महीनों बाद, 18 जुलाई 1948 को, सरदार पटेल ने भी श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पत्र लिखा। उन्होंने कहा, इन दोनों पत्रों में स्वयं को राष्ट्रवाद का स्वघोषित संरक्षक बताने वालों पर बेहद गंभीर आरोप हैं। यह सोचकर हैरानी होती है कि उसी विचारधारा से जुड़े एक लोकसभा सदस्य (अभिजीत गंगोपाध्याय), जिन्हें स्वयं प्रधानमंत्री का आशीर्वाद मिला है, ने यह कहा कि वह गांधी और गोडसे के बीच चयन नहीं कर सकते। उनकी यह मानसिकता बहुत कुछ स्पष्ट कर देती है।

विजय एक अच्छे अभिनेता हो सकते हैं, नेता नहीं : पलानीस्वामी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई के पलानीस्वामी ने करूर में भगदड़ की घटना को लेकर अभिनेता से नेता बने विजय की बृहस्पतिवार को कड़ी आलोचना की और दावा किया कि उक्त हादसा योजना एवं प्रबंधन की कमी के कारण हुआ। यह विजय के खिलाफ पलानीस्वामी की पहली आलोचनात्मक टिप्पणी है। पलानीस्वामी ने सलेम में पार्टी के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''विजय एक अच्छे अभिनेता हो सकते हैं, लेकिन नेता नहीं।'' उन्होंने पिछले साल 27 सितंबर को करूर में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की रैली में भगदड़ को लेकर पार्टी प्रमुख विजय पर निशाना साधा। इस घटना में 41 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। पलानीस्वामी ने कहा कि विजय ने पार्टी की "बिना उचित योजना के आयोजित" रैली को संबोधित किया था, जिसके कारण मौतें हुईं। उन्होंने आरोप लगाया, "विजय

ने पीड़ितों को सांत्वना देने के लिए उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात नहीं की। अन्नाद्रमुक के नेता और कार्यकर्ता सुनामी या चक्रवात के दौरान लोगों की देखभाल करने में हमेशा आगे रहते थे।" पलानीस्वामी अभी तक तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को करूर भगदड़ के लिए जिम्मेदार ठहराते आए थे।

इंडिया एनर्जी वीक में पुरी ने वैश्विक चुनौतियों के बीच कीमतें स्थिर रखने की सराहना की

गोवा, (एजेंसी)। इंडिया एनर्जी वीक 2026 के दौरान केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को ऊर्जा क्षेत्र में भारत की प्रगति और वैश्विक साझेदारियों पर महत्वपूर्ण बयान दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में 500 अरब डॉलर का निवेश अवसर वास्तविक है और इसे हासिल करने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। मंत्री पुरी ने बताया कि 27 जनवरी को सीईओ के साथ बैठक में प्रधानमंत्री के साथ ग्लोबल चर्चा हुई, जिसमें ऊर्जा क्षेत्र की नई संभावनाओं पर फोकस रहा। उन्होंने कहा, ष500 अरब डॉलर का आर्थिक मौका, साथ ही एक्सप्लोरेशन और प्रोडक्शन में 100 अरब डॉलर – ये दोनों ही बहुत रियलिस्टिक हैं।ष पुरी ने जोर दिया कि भारत अब ऊर्जा सुरक्षा, सस्टेनेबिलिटी और आर्थिक विकास को एक साथ जोड़ रहा है।ईयू–इंडिया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर बोलते हुए मंत्री ने इसे ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा, ष्यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण डेवलपमेंट है। ईयू की तरफ से इसे श्सभी ट्रेड एग्रीमेंट की जननीश बताया गया है। यह एक बड़ी डील है। हमारे एक्सपोर्ट को ईयू मार्केट में 98 प्रतिशत प्रोडक्ट्स पर जीरो–ड्यूटी एक्सेस मिलेगा। ईयू में 27 देश हैं, सभी की परचेजिंग पावर ज्यादा है, जिससे यह दोनों पक्षों के लिए फायदे का सौदा है।ष पुरी ने इस समझौते को भारत के निर्यात बढ़ाने और वैश्विक व्यापार में मजबूत स्थिति हासिल करने का बड़ा अवसर करार दिया। पुरी ने पोर्ट और शेल्टर सेक्टर में हुई बिजनेस डील्स का जिक्र करते हुए कहा कि इनसे काफी तरक्की हो रही है। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की ऊर्जा नीतियों की सराहना की। मंत्री ने कहा, ष्इन चुनौतियों के बावजूद, आपने आम आदमी के लिए कीमतें बढ़ने से रोकी हैं। अगर हम प्री–सेशन या उथल–पुथल के दौरान डॉलर को देखें, तो कभी–कभी एक रास्ता बंद हो जाता है, और फ्रेट कैरियर को लंबे रास्ते लेने पड़ते हैं, जिससे फ्रेट चार्ज बढ़ जाते हैं। हालांकि, इंश्योरेंस रेट कहीं भी नहीं बढ़े हैं। यह भाजपा शासित राज्यों में हो रहा है।

अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक रिसीविंग सबस्टेशन के लिए दिल्ली मेट्रो को बधाई : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रपति भवन के पास दिल्ली मेट्रो के नवनिर्मित अत्याधुनिक श्इलेक्ट्रिक रिसीविंग सबस्टेशनश का शुक्रवार को उद्घाटन किया। नया इलेक्ट्रिक रिसीविंग सबस्टेशन बनने पर उन्होंने दिल्ली मेट्रो को बधाई दी है और भविष्य में आर्थिक और प्रशासनिक तौर पर सहायता देने का आश्वासन दिया है। मीडिया से बात करते हुए रेखा गुप्ता ने कहा, ष्मैं दिल्ली मेट्रो को बधाई देती हूं। इलेक्ट्रिक रिसीविंग सबस्टेशन बनाया गया है जो कई मेट्रो लाइन को बिजली की आपूर्ति करेगा। 18 महीने के कार्यकाल में इसे आधुनिक तकनीक के मुताबिक तैयार किया गया है। दिल्ली मेट्रो

में किसी भी लाइन में बिजली की कमी न हो, उस उद्देश्य से इस सबस्टेशन को विकसित किया गया है। मुझे खुशी है कि देश में दिल्ली मेट्रो एक विश्वास के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि मेट्रो बिजली आपूर्ति की किसी भी समस्या के बिना लगातार बढ़ रही है और बेहतर तरीके से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, मेट्रो दिल्ली की लाइफलाइन है। प्रतिदिन 35 लाख लोग सफर करते हैं। स्टेशन बदलने वाले यात्रियों के आधार पर यह संख्या 65 लाख के आस–पास है। हमारी कोशिश है कि सार्वजनिक परिवहन के रूप में दिल्ली मेट्रो का और विकास हो। अन्य कॉरिडोर पर काम शुरू हो। इसमें दिल्ली सरकार वित्तीय और प्रशासनिक रूप से पूर्ण सहयोग देगी। हम मेट्रो को बेहतर बनाते हुए दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन को और बेहतर बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर परिसर में पौधारोपण भी किया और अधिकारियों से सबस्टेशन के ऑपरेशन के बारे में जानकारी लेती दिखीं। इस अवसर पर दिल्ली के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री सह परिवहन और आईटी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। दिल्ली मेट्रो का लगातार विस्तार हो रहा है। 24 दिसंबर को कैबिनेट ने 16 किलोमीटर के तीन नए कॉरिडोर को स्वीकृति दी थी।

संपादकीय

साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद

राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता रही है। उससे चौड़ी होती गई खाई अब खुले विभाजन की वजह बन रही है। साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद भारतीय साहित्य में विभाजन की हद तक पहुंच गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सात भारतीय भाषाओं के लिए अलग से पुरस्कार शुरू करने का एलान कर दिया है। अपने इस कदम की वजहों को लेकर स्टालिन ने कोई लाग–लपेट नहीं बरता। बल्कि दो टूक कहा– स्कुछ दिन पहले विजेताओं की सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के दखल पर साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा रद्द कर दी गई। हमें नहीं मालूम कि अब ये घोषणा होगी भी या नहीं। कला और साहित्य में हस्तक्षेप खतरनाक है।' स्टालिन ने कहा कि इस पर रचनात्मक प्रतिक्रिया दिखाते हुए प्रथम चरण में तमिलनाडु सरकार ने तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया, बांग्ला और मराठी भाषाओं के लिए हर साल सेमोझी साहित्य पुरस्कार देने का फैसला किया है। डीएमके 2.0 (यानी अगले विधानसभा चुनाव के बाद बनने वाली) सरकार इस पहल को मजबूत एवं विस्तृत करेगी। मतलब शायद यह कि पुरस्कार के दायरे में अन्य भाषाओं को भी लाया जाएगा। फिर भी, फिलहाल भाषाओं का जो चयन किया गया है, उसमें एक पैटर्न साफ दिखा है। इसमें हिंदी को अलग रखने का सियासी पैगाम साफ नजर आता है। यह तो खुद स्टालिन के बयान से स्पष्ट है कि इन पुरस्कारों का भविष्य अप्रैल– मई में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेगा। इस रूप में ताजा एलान का चुनावी राजनीति से जुड़ाव भी साफ है। बहरहाल, मुद्दा यही है कि राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि को राजनीति से जोड़ने की प्रवृति तेजी से बढ़ी है। परिणास्वरूप इन माध्यमों पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता है, यह तो काफी समय से जाहिर हो रहा था। अब खास बात यह हुई है कि वो बढ़ती खाई खुले विभाजन में तब्दील हो गई है। बेशक, ऐसी लामबंदी से साहित्य, कला, सिनेमा आदि के साथ–साथ राष्ट्रीय एकता के लिए भी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। मगर आज की यही हकीकत है, जो अब अधिक चिंताजनक रूप ग्रहण कर रही है।

बुनियादी ढांचे के लिए भारत की संस्थागत संरचना

अरिहन्त कुमार

आजादी के बाद से, बुनियादी ढांचे ने भारत की प्रगति की सोच को आकार दिया है। कल्पना साफ थीरू रेलवे दूर–दराज के इलाकों को जोड़ेंगी, राजमार्ग राज्यों के बीच व्यापार करेंगे, बांध ऊर्जा और सिंचाई का आधार बनेंगे, और बिजली की लाइनें सबसे दूर के गांवों तक रोशनी पहुंचाएंगी। जैसे–जैसे प्रोजेक्ट बड़े होते गए, वे और भी उलझते गए। जमीन मंजूरी का इंतजार करती रही, मंजूरी डिजाइनों का इंतजार करती रही, डिजाइन उपयोग बदलने का इंतजार करते रहे, और इसके लाभ दूसरे कार्यालय, दूसरे अधिकार क्षेत्र, दूसरी फाइल में दबी मंजूरियों का इंतजार करती रहीं। हर देरी का एक कारण था, हर कारण का कोई जिम्मेदार था, और फिर भी कोई भी असल में नतीजे की जिम्मेदारी नहीं लेता था। सालों तक, अनेक परियोजनाएं टुकड़ों–टुकड़ों में चलती रही, जिनकी समीक्षा अलग–अलग की गई, बाद में सफाई दी गई, और हमेशा के लिए देरी होती रही। जब तरक्की रुकी, तो जिम्मेदारी प्रक्रिया में घुल गई। हर जगह हलचल थी, लेकिन कहीं भी गति नहीं थी। जिस चीज की कमी थी, वह इरादा या निवेश नहीं था, बल्कि एक ऐसा फोरम था जहाँ आपस में जुड़ी हुई रुकावटों को एक साथ देखा जा सके, एक साथ सुलझाया जा सके और उन्हें खत्म किया जा सके। प्रोजेक्ट गवर्नेंस में इसी शांत लेकिन महत्वपूर्ण कमी को प्रगति के नेतृत्व वाले इकोसिस्टम ने भरने का बीड़ा उठाया। प्रगति, समीक्षा की एक नई परत के रूप में नहीं आई, बल्कि एक ऐसे जंक्शन के रूप में आई जहाँ समानांतर ट्रैक आखिरकार मिले। इसकी कल्पना 2015 में की गई, यह देखने में एक आसान सा विचार थारू कि निगरानी से फैसले होने चाहिए, और फैसलों का नतीजा डिलीवरी होना चाहिए। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में, यह केन्द्रीय सचिवों और राज्य के मुख्य सचिवों को एक साथ लाया, और उन लोगों को एक साथ जोड़ा जिनके पास राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं और उनकी रुकावटों के बारे में एक ही, साझा नजरिए के साथ काम करने की शक्ति थी। उस कमरे में, देरी अब भाषा के पीछे छिप नहीं सकती थी। विशेष उपलब्धियों की जांच की गई, मुद्दों को सामने लाया गया, और सीधे सवाल पूछे गए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिम्मेदारी का एक नाम, एक निर्धारित समय और वापस आने की तारीख तय की गई। फिर भी, प्रगति की असली कहानी सिर्फ इन उच्चस्तरीय समीक्षाओं के दौरान सामने नहीं आती। यह उस शांत, लगातार चल रहे काम में जिंदा रहती है जो इनसे पहले और बाद में होता है। यह तैयारी का अनुशासन, संस्थागत स्मृति और फॉलो–थ्रू प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) द्वारा प्रदान किया जाता है, जो इस ईकोसिस्टम परिचालन की रीढ़ है। मैंने पीएमजी को उस तरह से बढ़ते देखा है जैसे संस्थाएं शायद ही कभी बढ़ती हैं, धैर्य और उद्देश्य के साथ। जो एक साधारण डिजिटल इंटरफेस के रूप में शुरू हुआ था, वह एक परिपक्व, टेक्नोलॉजी–संचालित, उपलब्धियों पर आधारित निगरानी प्लेटफॉर्म में विकसित हो गया है जिसने भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर नजर रखने और समाधान का तरीका बदल दिया है। इस वास्तुकला के भीतर, पीएमजी समेकन और विश्लेषण के पहले बिंदु के रूप में कार्य करता है, जो प्रहरी और संचारक दोनों के रूप में काम करता है। टीम परियोजनाओं पर बारीकी से नजर रखती है, जमीनी हकीकत सुनती है, दावों को प्रमाणित करती है, और जटिल इनपुट को प्रगति के तहत उच्च–स्तरीय समीक्षाओं के लिए संरचित जानकारियों में बदलती है। जो जानकारी पहले फाइलों, पत्राचार और समय–समय पर होने वाली समीक्षाओं में बिखरी रहती थी, वह अब एक ही डिजिटल सिस्टम में समेकित हो गई है, जिसमें प्रगति, लागत, समय–सीमा, उपलब्धि और जमीन से मिली तस्वीरें के सबूतों पर वास्तविक समय के आंकड़े शामिल है। आज, कैबिनेट द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट मंजूरी के कुछ ही दिनों के भीतर सिस्टम में आ जाते हैं, उनकी यात्रा लगातार डेटा प्रवाह के माध्यम से मैप की जाती है जिससे पिछली रिपोर्टिंग के बजाय मौजूदा वास्तविकताओं के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं। इस प्लेटफॉर्म की सबसे खास बात इसकी ढांचागत परियोजनाएं और इश्यू ट्रैकिंग फ्रेमवर्क है। कार्यान्वयन में आने वाली रुकावटें अब चिट्ठियों या अटैचमेंट में छिपी नहीं रहतीं। उन्हें औपचारिक तौर पर लॉग किया जाता है, टाइम–स्टैम्प किया जाता है, और संबंधित साझेदार को समाधान के लिए तय टाइमलाइन के साथ साफ तौर पर जिम्मेदारी सौंपी जाती है।

धरती पर बढ़त हासिल करने के बाद ड्रैगन की नजर आकाश पर

नीरज

चीन ने अगले पांच वर्षों में अंतरिक्ष आधारित कृत्रिम बुद्धि आंकड़ा केंद्र यानि एआई डाटा सेंटर स्थापित करने की योजना की घोषणा कर पूरी दुनिया में खलबली मचा दी है। धरती पर सामरिक बढ़त हासिल करने के बाद अब चीन की नजर आकाश में अपनी ताकत का विस्तार करने पर है ताकि उसे कहीं से भी कोई चुनौती नहीं दे सके। हम आपको बता दें कि चीनी अंतरिक्ष कंपनी चीन एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉरपोरेशन ने संकल्प लिया है कि वह गीगावाट श्रेणी की अंतरिक्ष डिजिटल बुद्धि अवसंरचना यानि स्पेस डिजिटल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करेगा। यह योजना चीन के अगले पंचवर्षीय विकास कार्यक्रम का अहम स्तंभ मानी जा रही है। चीन के सरकारी माध्यमों के मुताबिक इन अंतरिक्ष आंकड़ा केंद्रों में क्लाउड कम्प्यूटिंग, एज कम्प्यूटिंग और उपकरण स्तर की क्षमताओं का एकीकरण होगा। कम्प्यूटिंग पावर, भंडारण क्षमता और कम्युनिकेशन बैंडविड्थ को गहराई से जोड़ा जाएगा ताकि पृथ्वी से एकत्र आंकड़ों का प्रसंस्करण सीधे अंतरिक्ष में हो सके। इस पहल का उद्देश्य यह है कि ऊर्जा खपत और कूलिंग जैसी समस्याओं से जूझ रहे धरती आधारित आंकड़ा केंद्रों का बोझ अंतरिक्ष में स्थानांतरित किया जाए। इसी सिलसिले में चीन की निजी कंपनी एडीए स्पेस ने पिछले साल मई में 12 उपग्रह प्रक्षेपित किए थे जिनमें उच्च क्षमता वाले एआई चिप लगे हैं। इन उपग्रहों में प्रत्येक 744 ट्रिलियन गणनाएं प्रति सेकंड करने में सक्षम है। नवंबर महीने से इन उपग्रहों पर एक प्रमुख चीनी एआई मॉडल का संचालन किया जा रहा है और दो मिनट से भी कम समय में अंतरिक्ष आंकड़ा केंद्र से उत्तर प्राप्त हो रहा है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी ने इसे आकाश में गणना का युग आरंभ होने की घोषणा बताया है। उधर, अमेरिका भी पीछे नहीं है। अमेरिकी निजी अंतरिक्ष कंपनियां खासकर एलन मस्क की स्पेस एक्स और अन्य तकनीकी दिग्गज अंतरिक्ष आधारित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कम्प्यूटिंग को भविष्य की सफलता का स्वाभाविक मार्ग मान रहे हैं। अमेरिका की एक अंतरिक्ष कंपनी ने हाल ही में एक उपग्रह पर एआई के सफल संचालन का दावा किया, हालांकि चीन का कहना है कि उसने अकेले उपग्रह की बजाय 12 उपग्रहों वाला व्यावहारिक अंतरिक्ष आंकड़ा केंद्र स्थापित कर तकनीकी बढ़त बना ली है। चीन का लक्ष्य 2800 उपग्रहों वाला विशाल स्पेस कम्प्यूटिंग नेटवर्क खड़ा करना है जो वर्ष 2035 तक पूर्ण होगा। इस परियोजना को सरकारी संरक्षण प्राप्त है क्योंकि चीन ने अंतरिक्ष को अपनी पंद्रहवीं पंचवर्षीय योजना में रणनीतिक प्राथमिकता घोषित किया है। उधर, समानांतर रूप से अमेरिका में भी उच्च क्षमता वाले एआई चिप, निजी पूंजी और रियूजेबल रॉकेटों के बल पर अंतरिक्ष आंकड़ा केंद्रों की दिशा में तेज प्रगति हो रही है। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। अंतरिक्ष में विकिरण से चिप को बचाने की तकनीक महंगी है और इससे प्रदर्शन घटता है। उपग्रह खराब होने पर मरम्मत असंभव होती है और नया उपग्रह भेजना पड़ता है, जिससे अंतरिक्ष मलबे की समस्या बढ़ती है। इसके बावजूद अमेरिका और चीन दोनों ही इसे भविष्य की अनिवार्यता मानते हुए पूरी ताकत झोंक चुके हैं। देखा जाये तो इसमें कोई दो राय नहीं कि जो देश अंतरिक्ष में एआई पर कब्जा करेगा, वही धरती पर अर्थव्यवस्था, युद्ध और सूचना का नियंत्रण संभालेगा। चीन ने इस सच्चाई को समय रहते पहचान लिया है और अब वह सीधे आकाश में सत्ता का आधार खड़ा कर रहा है। धरती पर आंकड़ा केंद्र अब गले का फंदा बन चुके हैं। जमीन चाहिए, पानी चाहिए, बिजली चाहिए और ठंडक चाहिए। कृत्रिम बुद्धि जितनी तेज गति से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से उसके लिए जरूरी संसाधन खत्म हो रहे हैं। अंतरिक्ष इस समस्या का स्वाभाविक समाधान है। वहां चौबीस घंटे सूर्य ऊर्जा है, ताप प्रबंधन स्वाभाविक है और विस्तार की कोई सीमा नहीं। यही कारण है कि चीन और अमेरिका दोनों इसे भविष्य का कम लागत वाला मार्ग बता रहे हैं। लेकिन यह केवल लागत का सवाल नहीं है। यह सामरिक प्रभुत्व का प्रश्न है। अंतरिक्ष में स्थापित एआई केंद्र केवल नागरिक उपयोग तक सीमित नहीं रहेंगे। वही केंद्र जासूसी उपग्रहों के आंकड़े संसाधित करेंगे, वही मिसाइल चेतावनी तंत्र को संचालित करेंगे और वही साइबर युद्ध का मस्तिष्क बनेंगे। जिसने अंतरिक्ष में कम्प्यूटिंग पर कब्जा किया, वह युद्धभूमि में निर्णय की गति पर कब्जा करेगा। चीन की रणनीति स्पष्ट है। वह केवल तकनीक नहीं बना रहा, वह पूरी पीढ़ी तैयार कर रहा है। इंटरस्टेलर नेविगेशन स्कूल की स्थापना इस बात का संकेत है कि चीन अब केवल निकट पृथ्वी कक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहता। वह गहरे अंतरिक्ष में छलांग लगाने की तैयारी कर रहा है। अगले दस से बीस वर्ष चीन के लिए अहम हैं और वह इसे व्यर्थ जाने नहीं देगा। उधर, अमेरिका की ताकत उसकी निजी कंपनियां हैं। रियूजेबल रॉकेटों ने प्रक्षेपण लागत को जमीन पर ला दिया है और यही उसकी सबसे बड़ी सामरिक बढ़त है। लेकिन चीन इस कमी को तेजी से पाट रहा है। उसके प्रक्षेपण आंकड़े बता रहे हैं कि वह संख्या और गति दोनों में आक्रामक हो चुका है। अंतरिक्ष आधारित एआई का यह युद्ध शीत युद्ध की याद दिलाता है। फर्क बस इतना है कि अब झंडा चांद पर गाड़ने की जगह कम्प्यूटिंग शक्ति आकाश में तैनात की जा रही है। प्रचार, दावे और प्रतिदावे तेज होंगे, लेकिन अंततः जीत उसी की होगी जो इसे सैन्य, आर्थिक और औद्योगिक ढांचे से जोड़ेगा। बहरहाल, भारत सहित शेष विश्व के लिए यह चेतावनी है। जो देश इस दौड़ में पीछे रहेंगे, वे केवल उपभोक्ता बनकर रह जाएंगे। अंतरिक्ष में कम्प्यूटिंग का युग शुरू हो चुका है और यह युग केवल तकनीक नहीं, सत्ता का नया व्याकरण लिखेगा। जो इसे समझेगा वही बचेगा, जो चूका वह इतिहास बनेगा। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि अंतरिक्ष अब केवल खोज और संचार का क्षेत्र नहीं रहा। वह कृत्रिम बुद्धि, ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और सैन्य प्रभुत्व का नया रणक्षेत्र बन चुका है।

माखनलाल जी ने देखा था पत्रकारिता विश्वविद्यालय का सपना

प्रो. संजय

जनसंचार और पत्रकारिता की शिक्षा आज एक विशिष्ट अनुशासन बन चुकी है। देश में पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा पर केंद्रित चार विश्वविद्यालय कार्यरत हैं, लेकिन हमें यह जानना चाहिए कि पं. माखनलाल चतुर्वेदी ने ही सबसे पहले पत्रकारिता विद्यापीठ (विश्वविद्यालय) का सपना देखा था। उन्होंने भरतपुर(राजस्थान) में 1927 में आयोजित संपादक सम्मेलन में कहा था–"हिंदी समाचार पत्रों में कार्यालय में योग्य व्यक्तियों के प्रवेश कराने के लिए, एक पाठशाला आजकल के नए नामों की बाढ़ में से कोई शब्द चुनिए तो कहिए कि एक संपादन कला के विद्यापीठ की आवश्यकता है। ऐसी विद्यापीठ किसी योग्य स्थान पर बुद्धिमान, परिश्रमी, अनुभवी, संपादक–शिक्षकों द्वारा संचालित होना चाहिए। उक्त पीठ में अन्यान्य विषयों का एक प्रकांड ग्रंथ संग्रहालय होना चाहिए।" यह संयोग ही है कि उनके इस स्वप्न को 1990 में मध्यप्रदेश सरकार ने साकार करते हुए उनके नाम पर ही भोपाल में पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना की। बाद के दिनों में रायपुर में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय और जयपुर में हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। इसके साथ ही दो साल पूर्व भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) को भी डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिल चुका है। यह बात बताती है कि हमारे पुरखे किस तरह अपनी विधा को अकादमिक रूप से स्थापित होते देखना चाहते थे। माखनलाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे कवि, लेखक, पत्रकार, संपादक, स्वतंत्रता सेनानी अनेक भूमिकाओं में सामने आते हैं। वे अप्रतिम वक्ता भी थे। इसलिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उनके बारे में कहा–"हम सब लोग तो बात करते हैं, बोलना (भाषण) तो माखनलाल जी ही जानते हैं।" इतना ही नहीं राष्ट्रपिता ने कहा– "मैं बाबई जैसे छोटे स्थान पर इसलिए जा रहा हूं क्योंकि वह माखनलालजी का जन्मस्थान है। जिस भूमि ने माखनलालजी को जन्म दिया, उसी भूमि को मैं सम्मान देना चाहता हूं।" यह संयोग ही है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और माखनलाल जी पुण्यतिथि एक ही दिन 30 जनवरी को मनाई जाती है। चर्चित शायर श्री फिराक गोरखपुरी भी माखनलाल जी कलम के प्रशंसक थे। उनका कहना था कि–"उनके लेखों को पढ़ने से ऐसा मालूम होता था कि आदि–शक्ति शब्दों के रूप में अवतरित हो रही है या गंगा स्वर्ग से उतर रही है। यह शैली हिंदी में ही नहीं, भारत की दूसरी भाषाओं में भी विरले ही लोगों को नसीब हुई है। मुझ जैसे हजारों लोंगो ने अपनी भाषा और लिखने की कला माखनलाल जी से ही सीखी।" पं. माखनलाल चतुर्वेदी के संपादन में निकला 'कर्मवीर' एक ऐसा पत्र है, जिसकी धमक हम आज भी महसूस करते हैं। हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में 'कर्मवीर' एक ऐसा नाम है, जिसे छोड़कर भारतीय पत्रकारिता का समग्र मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। इसी तरह उसके संपादक पं. माखनलाल चतुर्वेदी और उनकी संपूर्ण जीवनयात्रा, आत्मसमर्पण के खिलाफ लड़ने वाले संपादक की यात्रा है। वस्तुतः वे एक साथ कई मोर्चों पर लड़ रहे थे और कोई मोर्चा ऐसा न था, जहां उन्होंने अपनी छाप न छोड़ी हो। सही मायने में 'कर्मवीर' के संपादक ने अपने पत्र के नाम को सार्थक किया और माखनलाल जी स्वयं कर्मवीर बन गए। 4 अप्रैल, 1889 को होशंगाबाद(मप्र) के बाबई जिले में जन्में माखनलालजी का पत्रकारिता शुरू की तो सारे देश में राष्ट्रीय आंदोलन का प्रभाव देखा जा रहा था। राष्ट्रीयता एवं समाज सुधार की चर्चाएं और फिरंगियों को देश बदर करने की भावनाएं बलवती थीं। इसी के साथ महात्मा गांधी जैसी तेजस्वी विभूति के आगमन ने सारे आंदोलन को एक नई ऊर्जा से भर दिया। दादा माखनलाल जी भी उन्हीं गांधी भक्तों की टोली में शामिल हो गए। गांधी के जीवन दर्शन से अनुप्राणित दादा ने रचना और कर्म के स्तर पर जिस तेजी के साथ राष्ट्रीय आंदोलन को ऊर्जा एवं गति दी वह महत्व का विषय है। इस दौर की पत्रकारिता भी कमोबेश गांधी के विचारों से खासी प्रभावित थी। हिंदी पत्रकारिता का वह जमाना ही अजीब था। आम कहावत थी दृ "जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।" और सच में अखबार की ताकत का अहसास आजादी के दीवानों को हो गया था। इसी के चलते स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े नेताओं ने अपने पत्र निकाले। जिनके माध्यम से ऐसी जनचेतना पैदा की कि भारत आजादी की सांस ले सका। वस्तुतः इस दौर में अखबारों का इस्तेमाल एक अस्त्र के रूप में हो रहा था। माखनलाल जी ने 1913 में 'प्रभा' नाम की एक उच्चकोटि की पत्रिका के माध्यम से साहित्यिक पत्रकारिता में भी सार्थक हस्तक्षेप किया। लोगों को झकझोरने एवं जगानेवाली रचनाओं के प्रकाशन के माध्यम से 'प्रभा' हिंदी जगत का एक जरूरी नाम बन गयी। दादा की 56 सालों की ओजपूर्ण पत्रकारिता की यात्रा में प्रताप, प्रभा व कर्मवीर उनके विभिन्न पड़ाव रहे। साथ ही उनकी राजनीतिक वरीयता

भी बहुत ऊंची थी। वे बड़े कवि थे, पत्रकार थे पर उनके इन रूपों पर राजनीति कभी हावी न हो पायी। इतना ही नहीं जब प्राथमिकताओं की बात आयी तो मप्र कांग्रेस का वरिष्ठतम नेता होने के बावजूद उन्होंने सत्ता में पद लेने के बजाए मां सरस्वती की साधना को ही प्राथमिकता दी। आजादी के बाद 30 अप्रैल, 1968 तक वे जीवित रहे पर सत्ता का लोभ उन्हें स्पर्श भी नहीं कर पाया। इतना ही नहीं 1967 में भारतीय संसद द्वारा राजभाषा विधेयक पारित होने के बाद उन्होंने राष्ट्रपति को वह पद्मभूषण का अलंकरण भी लौटा दिया जो उन्हें 1963 में दिया गया था। वे समझौतों के खिलाफ लोगों में चेतना जगाते रहे। 'कर्मवीर' के संपादक कैसे संपादक थे, इसे बताने के लिए उन्होंने कहा कि दृ "हम फक्कड़ सपनों के स्वर्गों को लुटाने निकले हैं। किसी की फरमाइश पर जूते बनानेवाले चर्मकार नहीं हैं हम।" यह निर्भीकता ही उनकी पत्रकारिता की भावभूमि का निर्माण करती थी। स्वाधीनता आंदोलन की आँच को तेज करने में उनका कर्मवीर अग्रणी बना। कम ही लोग जानते होंगे कि दादा को इसकी कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। उनके संपादकीय कार्यालय यानी घर पर तिरसठ बार छापे पड़े, तलाशियां हुयीं। 12 बार वे जेल गए। कर्मवीर को अर्थाभाव में कई बार बंद होना पड़ा। लेखक से लेकर प्रूफ रीडर तक सबका कार्य वे स्वयं कर लेते थे। पत्रकारिता उनके लिए राष्ट्रसेवा और समाज के जागरण का ही एक माध्यम थी।

अजित पवार के जाने के बाद का गुणा–भाग

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार सुबह बारामती में एक विमान हादसे में निधन हो गया। उनके यूं इस तरह चले जाने से समूचा देश स्तब्ध है। वहीं महाराष्ट्र की राजनीति में भी नए सवाल खड़े हो गए हैं। क्योंकि अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति का एक ऐसा किरदार थे, जिनसे आप असहमत हो सकते हैं, उनके तौर–तरीकों से नाराज हो सकते हैं, उनके समर्थक और मुरीद हो सकते हैं, लेकिन उन्हें उपेक्षित नहीं कर सकते। अजित पवार का सियासी सफर काफी दिलचस्प था। हर दिग्गज नेता की तरह उनकी भी महत्वाकांक्षा शीर्ष पद पर पहुंचने की थी, यानी महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना उनका सपना था, जो अब अधूरा रह गया है। अजित पवार मुख्यमंत्री तो एक बार भी नहीं बन पाए, लेकिन छह बार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बनने का रिकार्ड उनके नाम हैं। इसके अलावा कांग्रेस, शिवसेना, भाजपा के मुख्यमंत्रियों के साथ वे अलग–अलग मंत्री पद पर भी रहे। इसलिए कहा जाता है कि अजित पवार सत्ता में हमेशा ही बने रहे। अपने चाचा शरद पवार की उंगली थामकर अजित पवार ने राजनीति शुरू की, लेकिन बाद में उनसे अलग होकर अपना दबदबा भी दिखाया। 22 जुलाई 1959 को जन्मे अजित पवार महज 23 साल की उम्र में कोऑपरेटिव शुगर

फैक्ट्री के बोर्ड में शामिल हो गए थे। इसके बाद 1991 में वे पुणे सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष बने और 16 सालों तक इस पद पर काबिज रहे। वे 1991 में ही बारामती से पहली बार सांसद चुने गए। लेकिन अपने चाचा शरद पवार के लिए उन्होंने सीट खाली की, इसके बाद 1995 में बारामती से विधानसभा चुनाव लड़ा और जीते फिर 1999, 2004, 2009, 2014, 2019 और 2024 में लगातार विधायक बने रहे।शरद पवार के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को खड़ा करने और उसे महाराष्ट्र की अग्रणी पार्टियों में शुमार करने में अजित पवार का बड़ा हाथ रहा। लेकिन इस बीच शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के भी राजनीति में सक्रिय होने के बाद अजित पवार अपनी उपेक्षा का दर्द जाहिर करते रहे। एक बार उन्होंने यहां तक कहा था कि अगर मैं शरद पवार का बेटा होता तो मुख्यमंत्री बन जाता। हालांकि चाचा–भतीजे के बीच सीधी तकरार 2022 में देखने मिली। जब अजित पवार ने शरद पवार से अलग होकर अपनी राजनीतिक लकीर खींची और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई। हालांकि हाल ही में संपन्न हुए नगरीय निकाय चुनावों में एनसीपी के दोनों गुट एक साथ आए और खबरें थीं कि चाचा–भतीजा के साथ आने से भाजपा को काफी तकलीफ है। लेकिन नगरीय निकाय चुनावों में एनसीपी को बड़ा झटका लगा और उसके कई गढ़ हाथ से निकले भी। इसके बाद अजित पवार जिला पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुटे थे। लेकिन उनकी मौत के साथ ही उनकी तैयारियां भी अधूरी रह गईं।करीब 4 दशकों के सियासी सफर में एक बार सांसद और सात बार विधायक रहे अजित पवार ने राज्य सरकार में कई अहम मंत्री पद संभाले। 2010 में वे पहली बार उपमुख्यमंत्री बने और फिर छह बार इसी पद पर काबिज हुए। 2019 में तो दो अलग–अलग मुख्यमंत्रियों के अधीन उन्होंने उपमुख्यमंत्री की शपथ ली। 23 नवंबर 2019 की सुबह उन्होंने देवेंद्र फडनवीस के साथ उपमुख्यमंत्री की शपथ ली। लेकिन, सदन में फडनवीस बहुमत साबित करने में नाकाम रहे। इसके बाद उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री की शपथ ली तो उन्हें एक बार फिर उपमुख्यमंत्री बनाया गया। आखिरी बार 2024 में वो एक बार फिर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बने और उनकी मौत इसी पद पर बने रहते हुए हो गई। सिंचाई घोटाले से लेकर अपनी पार्टी को तोड़ने और भाजपा से हाथ मिलाने जैसे कई विवाद अजित पवार के साथ चस्पां रहे। अब उनकी मौत पर भी सवाल उठ रहे हैं। दरअसल तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संकेत दिया कि अजित पवार महायुति गठबंधन से दूरी बनाने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए इस हादसे के पीछे कोई साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा– श्जो हुआ, वह गंभीर सवाल खड़े करता है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच ही विश्वसनीय होगी। हमें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है, किसी अन्य एजेंसी पर नहीं।श उन्होंने आरोप लगाया कि जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता प्रभावित हुई है। वहीं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने भी कहा है कि राजनीति में स्पष्ट बोलने की कीमत चुकानी होती है, पता नहीं अजित पवार को कितनी चुकानी पड़ी होगी। गौरतलब है कि कांग्रेस, एनसीपी और आरजेडी भी विमान हादसे की जांच की मांग कर रहे हैं। खबर ये भी है कि पिछले महीने नगरीय निकाय चुनावों के प्रचार में अजित पवार ने भाजपा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। अजित पवार ने 1995 से 1999 के बीच शिवसेना–भाजपा की संयुक्त सरकार में मराठवाड़ा में सिंचाई परियोजना में कथित भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए भाजपा पर आरोप लगाए थे और यहां तक कहा था कि उनके पास इसकी मूल फाइलें हैं। बता दें नगरीय निकाय चुनावों में एनसीपी ने भाजपा से अलग होकर चुनाव लड़ा था। भाजपा की तरफ से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने दोस्ताना मुकाबले की पहल की थी, लेकिन अजित पवार ने इसे स्वीकार नहीं किया था। वहीं इन चुनावों में उन्होंने अपने चाचा शरद पवार से हाथ मिला लिए थे। हालांकि एनसीपी के एक साथ आने के बाद भी कोई फायदा नहीं हुआ और भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी। इसके बाद से कयास थे कि अजित पवार फिर से शरद गुट में शामिल हो सकते हैं, क्योंकि वे अपना अलग दमखम भी अब तक दिखा चुके थे। लेकिन महायुति टूटती या एनसीपी एक होती, इससे पहले ही अजित पवार का आकस्मिक निधन हो गया।अब महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से सियासी समीकरण बदलने के संकेत हैं। एक तो बारामती से विधानसभा सीट खाली हो गई है, जिसमें अब पवार परिवार से किसे मौका मिलता है, यह देखना होगा। पिछले चुनाव में तो अजित पवार ने अपने ही भतीजे युगेन्द्र पवार को हराया था, जो शरद गुट में थे। लेकिन अब क्या भाजपा पवार परिवार के गढ़ में सेंधमारी की कोशिश करेगी, ये देखना होगा। इस बीच सवाल शरद पवार पर भी उठ रहे हैं कि क्या वो महायुति में शामिल एनसीपी के बाकी नेताओं को अपनी तरफ मिलाकर भाजपा को धक्का देते हैं या फिर महाविकास अगाड़ी छोड़कर खुद भी महायुति का हिस्सा बनते हैं। उनका उपमुख्यमंत्री पद खाली होने से क्या उनकी पत्नी राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार और बड़े बेटे पार्थ पवार को भाजपा अपनी तरफ कर इस पद पर बिठाती है या प्रफुल्ल पटेल जैसे वरिष्ठ नेता को यह मौका मिलता है। फिलहाल महाराष्ट्र की राजनीति में बहुत सा गुणा–भाग होना बाकी है, हालांकि अजित पवार के निधन से उपजे शून्य से सभी दुखी हैं। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

दोगुना किया गया रामलीला कलाकारों का मानदेय, 40 लाख से बढ़कर एक करोड़ हुआ मंचन का बजट

लखनऊ, (संवाददाता)। रामनगरी अयोध्या की रामलीला परंपरा को सशक्त करने की दिशा में बड़ा फैसला लिया गया है। रामलीला मंचन से जुड़े कलाकारों के मानदेय में दोगुना से भी अधिक की बढ़ोतरी की गई है। अब कलाकारों को रोजाना प्रति मंडली 17,500 रुपये मानदेय मिलेगा, जो अब तक 8,500 रुपये था। इतना ही नहीं, अनवरत रामलीला के सालाना बजट में भी बढ़ोतरी की गई है। इसे 40 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये कर दिया गया है। इससे मंचन की गुणवत्ता, तकनीकी संसाधनों, साज सज्जा, प्रकाश व्यवस्था और कलाकारों की सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा। अनवरत रामलीला की शुरुआत वर्ष 2004 में हुई थी। अगस्त 2015 में तत्कालीन सपा सरकार में बजट के अभाव में रामलीला का मंचन बंद हो गया। करीब पौने दो साल तक मंचन बंद रहा। 2017 में प्रदेश में जब योगी आदित्यनाथ की सरकार आई तो मंचन शुरू किया गया। रामलीला का मंचन जिस तुलसी स्मारक भवन में होता है, वह अब पहले से अधिक सुसज्जित और संसाधन युक्त हो गया है। अवध आदर्श रामलीला मंडली के अध्यक्ष महंत मनीष दास का कहना है कि यह फैसला नई पीढ़ी के कलाकारों को रामलीला से जोड़ने में मील का पत्थर साबित होगा। बढ़ा हुआ मानदेय और बजट हमें अपनी कला को निखारने का अवसर देगा। अब मंचन और अधिक भव्य, आधुनिक और प्रभावशाली रूप में हो सकेगा। संस्थान के नियमों के मुताबिक मानदेय का भुगतान दो स्तर पर किया जा रहा है। कम अनुभव वाली लीला मंडली को 700 रुपये प्रति कलाकार व राष्ट्रीय लीला मंडली को एक हजार रुपये प्रति कलाकार मानदेय दिया जा रहा है। ऐसे में 25 कलाकारों की सामान्य लीला मंडली को 17500 रुपये प्रति दिन व राष्ट्रीय लीला मंडली को 25 हजार रुपये रोजाना दिया जाता है। इसके अलावा कलाकारों के रहने के लिए तुलसी स्मारक भवन की डॉरमेंट्री में व्यवस्था की जाती है। भोजन के लिए 300 रुपये रोजाना प्रति कलाकार की दर से दिया जाता है। जबकि पहले एकमुश्त 30 हजार रुपये ही दिए जाते थे। अंतरराष्ट्रीय रामायण वैदिक शोध संस्थान के सलाहकार आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि रामलीला मंचन के लिए सालाना 26 रामलीला मंडलियों का चयन किया जाता है। हर माह के लिए दो रामलीला मंडली चयनित होती है, जो 15–15 दिन रामलीला का मंचन करती है। ऐसे में 12 महीने में 24 टीमें रामलीला मंचन करती हैं, दो अतिरिक्त टीमों का भी चयन किया जाता है।

लोनिवि के वरिष्ठ लेखाधिकारी से मारपीट का आरोप, अधिशासी अभियंता समेत तीन के खिलाफ एफआईआर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद में लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) के वरिष्ठ खंडीय लेखाधिकारी राम मिलन यादव ने अधिशासी अभियंता सहित तीन लोगों पर मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है। इस मामले में लाइन बाजार थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पीड़ित लेखाधिकारी राम मिलन यादव के अनुसार, दोपहर लगभग दो बजे अधिशासी अभियंता राजेंद्र कुमार ने उन्हें अपने कक्ष में बुलाया था। वहां भुगतान से संबंधित कुछ पत्रावलियों पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया गया। यादव ने जब आपत्ति जताई तो अधिशासी अभियंता नाराज हो गए। आरोप है कि इसके बाद अधिशासी अभियंता के उकसाने पर सत्ताधारी दल से जुड़े दो विधायकोंकृशाहगंज विधायक रमेश सिंह और बदलापुर विधायक रमेश मिश्राकृके प्रतिनिधियों तथा उनके समर्थकों ने उनके साथ मारपीट की।

घटना को लेकर राम मिलन यादव ने लाइन बाजार पुलिस को लिखित तहरीर दी। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर अधिशासी अभियंता राजेंद्र कुमार, गुड्डू तथा रजनीश सिंह के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। वहीं, दूसरे पक्ष ने वरिष्ठ खंडीय लेखाधिकारी द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए मारपीट की घटना से इंकार किया है। पुलिस दोनों पक्षों के बयान और साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

प्रांतीय खंड के लेखाधिकारी राममिलन यादव को उनके पद से हटाने की मांग को लेकर ठेकेदार धरने पर सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में ठेकेदार कल्याण समिति ने लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता को शनिवार को एक ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में प्रांतीय खंड के लेखाधिकारी राममिलन यादव को उनके पद से हटाने की मांग की गई है। समिति ने उन पर भ्रष्ट आचरण और कार्यालय में लगातार अनुपस्थित रहने का आरोप लगाया है।समिति के अध्यक्ष कुंवर आजाद सिंह (वीआईपी) ने कहा कि लेखाधिकारी राममिलन यादव प्रतिदिन कोई न कोई बहाना बनाकर कार्यालय छोड़ देते हैं। उनके इस व्यवहार के कारण ठेकेदारों को भारी आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। ठीकेदार संघ ने मांग

किया है कि राममिलन यादव को तत्काल उनके पद से हटाकर किसी अन्य लेखाधिकारी को प्रभार दिया जाए। उनका तर्क है कि ऐसा करने से ठेकेदारों को मानसिक और आर्थिक परेशानियों से मुक्ति मिल सकेगी।संघ ने चेतावनी दी गई है कि यदि इस श्भ्रष्ट अधिकारीश को नहीं हटाया गया, तो ठेकेदार संघ प्रदेशव्यापी धरना प्रदर्शन करेगा। विदित हो कि शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी ऑफिस में ठेकदारों और लेखाधिकारी के बीच मारपीट भी हुई थी ।जिसके कारण आज ये लोग धरने पर बैठे हैं।इस संबंध में क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता ने बताया कि दोनों पक्षों से प्राप्त तहरीर के आधार पर अधिशासी अभियंता राजेंद्र कुमार, गुड्डू तथा रजनीश सिंह के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।साथ ही दूसरे पक्ष से जाती सूचक शब्दों का प्रयोग करने के मामले में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पूर्व कुलपति प्रो सुंदरलाल के निधन पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शोकसभा आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर सुंदरलाल के आकस्मिक निधन पर विश्वविद्यालय के सरस्वती सदन में शनिवार को शोकसभा का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर सुंदरलाल का निधन बीती रात उनके निज आवास आगरा में हो गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि प्रोफेसर सुंदरलाल ने अपने कार्यकाल में विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने हेतु अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने 'बापू बाजार' जैसी अभिनव योजनाओं के माध्यम से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को समाज से सीधे जोड़ने का सार्थक प्रयास किया। उनका निधन विश्वविद्यालय परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। प्रोफेसर सुंदरलाल वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 15वें कुलपति थे। उनका कार्यकाल 21 दिसंबर 2010 से 20 दिसंबर 2013 तक रहा। वे डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के गणित विभाग में प्रोफेसर पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के उपरांत भी वे आगरा विश्वविद्यालय में नियमित रूप से गणित विषय का अध्यापन कार्य कर रहे थे। शोकसभा में विश्वविद्यालय के कुलसचिव केशलाल द्वारा शोक संदेश का पाठ किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर प्रमोद यादव, प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह, प्रोफेसर मानस पांडेय, प्रोफेसर मनोज मिश्रा, प्रोफेसर मुराद अली, प्रोफेसर गिरधर मिश्रा, प्रोफेसर प्रदीप कुमार, प्रोफेसर संतोष कुमार, डॉ. रषिकेश, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. मंगला यादव, उपकुलसचिव अजीत कुमार, बबीता सिंह, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष वारिन्द्र यादव, पूर्व महामंत्री रमेश यादव, डॉ. इंद्रेश गंगवार, सुशील प्रजापति सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक करोड़ रुपए की अवैध शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,31 जनवरी। यूपी के जौनपुर में सिकरारा थाना क्षेत्र अंतर्गत अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एसटीएफ प्रयागराज और सिकरारा पुलिस ने शनिवार सुबह संयुक्त टीम ने अंडे से लदे एक मिनी ट्रक से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। बरामद शराब की संख्या 5220 बोतल बताई जा रही है, जिसकी कीमत लाखों रुपये आंकी गई है। थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 6रू15 बजे मुखबिर से सूचना मिली थी कि जौनपुर से मछलीशहर की ओर जा रही एक मिनी ट्रक में अंडों की आड़ में अवैध अंग्रेजी शराब ले जाई जा रही है। सूचना पर

पुलिस और एसटीएफ टीम ने जौनपुरदृप्रयागराज हाईवे पर सिकरारा क्षेत्र स्थित निर्माणाधीन आयुर्वेदिक अस्पताल के पास घेराबंदी कर ट्रक को रोक लिया। जांच के दौरान अंडों के बीच छिपाकर रखी गई 5220 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई। मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मिनी ट्रक को कब्जे में लेकर शराब को सीज कर दिया है। मामले में ठछै की धारा 319 तथा आबकारी अधिनियम की धारा 60(1), 63, 72 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पंकज पाल (22) पुत्र चंद्रपाल, निवासी दीनदयाल नगर, थाना सिविल लाइंस, जनपद मुरादाबाद प्रिंस श्रीवास्तव उर्फ सिंटू (32) निवासी नई बस्ती हुकूलगंज, थाना लालपुर पांडेयपुर, जनपद वाराणसी में की गई है।वही इस मामले में जानकारी देते हुए सीओ सदर देवेश सिंह ने बताया कि प्रयागराज की एसटीएफ टीम और सिकरारा पुलिस ने सिकरारा थाने से लगभग 500 मीटर दुरी पर एक डीसीएम को रोका गया और उसकी बिल्टी चेक की गयी। जब गाडी को चेक किया गया। तो उसमें अवैध शराब पाया गया। इसकी बाद में तलाशी के दौरान 435 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई जिसकी अनुमानत दाम 1 करोड़ के आस पास है। पुलिस विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करके कार्यवाही में जुटी हुई है। पुछताछ में पता चला कि ये गाड़ी हरियाणा से चली थी और वाराणसी जा रही थी।

संक्षिप्त खबरें

'राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, सरोसा भरोसा लखनऊ में वार्षिकोत्सव–2026 सम्पन्न'

लखनऊ। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, सरोसा–भरोसा में वार्षिकोत्सव एवं पुरा छात्र सम्मेलन का आयोजन दिनांक 31ध्01ध्2026 को किया गया, ।कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी, लखनऊ मंडल डॉ दिनेश कुमार के द्वारा दीप प्रज्वलन तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ अंजू सिंह ने अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ,स्मृति चिन्ह एवं उद्बोधन द्वारा किया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक श्री संतोष मिश्रा, सभासद सरोजनीनगर श्रीमती आशा रावत उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में छात्राओं का विभिन्न रंग रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसमें मुख्य रूप से सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, वसंत उत्सव

एवं देश भक्ति ओतप्रोत कार्यक्रम सम्मिलित रहे। छात्रों को आशीर्वाद देते हुए जिला समन्वयक ने बच्चों को भविष्य में अलग–अलग क्षेत्र में जाकर अपने से जुड़े व्यक्तियों विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात सभासद मैडम ने बच्चों को अपनी प्रतिभा निकालने के लिए सदैव आगे बढ़ाने की सलाह दी । कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ दिनेश कुमार ने अपना उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार विभिन्न संघर्षों से जूझकर आगे बढ़ते रहना चाहिए और सदैव कुछ उत्कृष्ट एवं नवीन करने का संकल्प लेना चाहिए ,इसके बारे में बच्चों को अत्यंत रोचक तरीके से संबोधित किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली छात्राओं को पुरस्कार वितरण किया गया।

कई बैंक खातों में ट्रांसफर हुए थे ठगी के 1.31 करोड़

लखनऊ, (संवाददाता)। जालसाजों ने कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) फंड दिलाने के नाम पर एनजीओ से ठगे गए 1.31 करोड़ रुपये कई बैंक खातों में ट्रांसफर किए थे। यह बात पुलिस की तफ्तीश में सामने आई है। 27 जनवरी को गोमतीनगर थाने में दिशा मानव कल्याण एवं उत्थान के सचिव बृजेश तिवारी ने चार आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आशंका है कि जालसाज अमरीष मिश्रा, डीपी यादव, राज और मास ने रकम को अपने खातों में लेने के लिए फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल किया था। साथ ही ये खाते अलग–अलग राज्यों में खोले गए थे। ठगी में बैंक कर्मियों की मिलीभगत भी होने की आशंका है। पुलिस ने सचिव बृजेश तिवारी से ठगी से संबंधित दस्तावेज और बैंक स्टेटमेंट मांगे हैं। साथ ही चारों आरोपियों के मोबाइल नंबरों को भी सर्विलांस पर लगाया गया है।

राष्ट्रभक्ति के सुरों से सजा बीटिंग द रिट्रीट

लखनऊ, (संवाददाता)। रिजर्व पुलिस लाइन बृहस्पतिवार की शाम देशभक्ति की धुनों से गूंज उठी। बैंड बाजों से निकलती कदम कदम बढ़ाए जा और वंदे मातरम् की स्वर लहरियों ने परिसर में मौजूद हजारों दर्शकों को देश की रक्षा में तैनात वीर जवानों की याद दिला दी। हर धुन में त्याग, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की झलक साफ दिखाई दे रही थी। मौका था गणतंत्र दिवस के समापन पर आयोजित बीटिंग द रिट्रीट समारोह का। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समारोह का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक फैनफेयर और बिगुल वादन से हुई। इसके बाद राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। फिर सेना, पीएसी, होमगार्ड और विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों के बैंडों ने ताकत वतन की हम से है, सारे जहां से अच्छा और ऐ मेरे वतन के लोगों, संदेशे आते हैं जैसी देशभक्ति धुनों की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। समारोह में जाट रेजिमेंटल सेंटर, सिख लाइट रेजिमेंटल सेंटर, गोरखा राइफल्स, 32वीं व 35वीं पीएसी बटालियन, होमगार्ड मुख्यालय तथा राजभवन स्कूल के ब्रास और पाइप बैंडों ने सहभागिता की। संयुक्त मास बैंड की प्रस्तुति समारोह का मुख्य आकर्षण रही। पारंपरिक रिट्रीट की धुन के साथ झंडे उतारने की सैन्य परंपरा का पालन किया गया। इसके बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंडों को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने संयुक्त रूप से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी विशाख जी, पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर, सीडीओ अजय जैन सहित पुलिस व प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी, जवान, छात्र–छात्राएं और बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह का सफल संचालन मुख्य समन्वयक नायब सूबेदार प्रेम बहादुर गुरुंग के निर्देशन में संपन्न हुआ। बेस्ट मार्चिंग कंटीजेंट (मिलिट्री) श्रेणी में अव्वल रही 6/11 गोरखा राइफल्स, बेस्ट बैंड कंटीजेंट (मिलिट्री) में जाट सिख लाइट इंफैंट्री, बेस्ट मार्चिंग कंटिजेंट पैरा मिलिट्री, पुलिस, होमगार्ड, पीआरडी, एसएसबी में एटीएस कमांडो, बेस्ट बैंड कंटीजेंट मिलिट्री में होमगार्डपीएसी) में पीएसी 35 (पाइप बैंड), स्कूलध एनसीसीध्स्काउट–गाइड (बालक वर्ग) में स्काउट एंड गाइड (फ्लैग मार्च, मिश्रित), बालिका वर्ग में सीएमएस अलीगंज, बेस्ट ब्रास बैंड स्कूलध्एनसीसी/स्काउट–गाइड में लखनऊ पब्लिक कॉलेज ए–ब्लॉक राजाजीपुरम, बेस्ट पाइप बैंड स्कूल वर्ग में सीएमएस गोमतीनगर अव्वल रहने पर सम्मानित किए गए। इसके अलावा बेस्ट मार्च पास्ट राजकीय स्कूल श्रेणी में अटल आवासीय विद्यालय समिति, सिसोली कला (मोहनलालगंज) को, बेस्ट बैंड राजकीय स्कूल में प्रथम रहने वाले कै. मनोज कुमार पांडेय उपसैनिक स्कूल को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रेणी में सिटी मांटेसरी स्कूल राजाजीपुरम को प्रथम, एसआर ग्लोबल स्कूल बीकेटी को द्वितीय तथा बाल विद्या मंदिर चारबाग और सेंट जोसेफ कॉलेज राजाजीपुरम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

संपत्ति पंजीकरण में फर्जीवाड़े पर लगेगी लगाम

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। स्टाम्प तथा पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल ने गुरुवार को विधान भवन के कक्ष संख्या–80 में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि उत्तर प्रदेश में संपत्ति पंजीकरण प्रणाली में आधार प्रमाणीकरण व्यवस्था लागू की जा रही है, जिससे फर्जी रजिस्ट्रियों और छद्म व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले पंजीकरण पर प्रभावी रोक लगेगी।राज्य मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में 28 अगस्त 2025 को सम्पन्न स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि संपत्ति पंजीकरण के दौरान फर्जीवाड़े की घटनाओं को रोकने के लिए आधार प्रमाणीकरण को अनिवार्य किया जाए।

कृषि अनुसंधान को किसान–केंद्रित बनाने पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने आलमबाग स्थित उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के सभागार में कृषि शिक्षा और कृषि अनुसंधान से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में उपकार के प्रतिनिधिमंडल द्वारा एक्रीसेट और समिटि की संस्तुतियों पर विस्तार से चर्चा की गई, विशेष रूप से कृषि शिक्षा और कृषि अनुसंधान के वर्गीकरण को अलग–अलग करने तथा उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन पर गहन मंथन हुआ।बैठक के दौरान अरहर सहित अन्य दालों की उत्पादकता बढ़ाने, कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विभाग के फार्मों की कार्यप्रणाली तथा विभिन्न अनुसंधान विषयों की समीक्षा की गई। कृषि मंत्री ने कहा कि बदलते मौसम के मिजाज और किसानों की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिकों को शोध कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुसंधान के लिए आवंटित बजट और संसाधनों का प्रभाव धरातल पर दिखाई देना चाहिए, ताकि किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।कृषि मंत्री ने नई किस्मों के विकास के साथ–साथ कुल कृषि उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए ठोस और व्यवहारिक रणनीति तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से बेहतर जर्मप्लाज्म विकसित किया जाए और गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की प्रक्रिया को तेज किया जाए, जिससे किसानों को अधिक उपज और बेहतर आमदनी मिल सके।किसानों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने ऐसी प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए, जिसके माध्यम से मौसम से जुड़ी सटीक और त्वरित जानकारी सीधे किसानों के मोबाइल तक पहुंच सके।

लखनऊ दर्शन बस से स्कूली बच्चों ने जाना शहर का इतिहास और लोकतंत्र

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा शिक्षा को अनुभव से जोड़ने की दिशा में एक विशेष पहल करते हुए स्कूली बच्चों को रियायती दरों पर लखनऊ दर्शन बस के माध्यम से राजधानी का भ्रमण कराया गया। इस पहल के तहत कक्षा 6 और 7 के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने दो दिनों में लखनऊ की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आधुनिक पहचान से रूबरू होते हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा सहित प्रमुख दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया। यह शैक्षिक यात्रा विद्यालय के पाठ्यक्रम का हिस्सा रही, जिससे विद्यार्थियों को किताबों से आगे बढ़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था और शहर की विरासत को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिला।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यूपीएसटीडीसी की यह पहल सरकार की अनुभव आधारित पर्यटन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। लखनऊ दर्शन बस के माध्यम से युवा पीढ़ी को कक्षा की चारदीवारी से बाहर निकलकर अपने शहर को जानने और समझने का अवसर मिला है। यह पहल विद्यार्थियों को प्रदेश की विरासत से जोड़ने के साथ–साथ उन्हें भविष्य का जिम्मेदार पर्यटक बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।शैक्षिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यूपीएसटीडीसी की ओर से स्कूली विद्यार्थियों को टिकट दर में 20 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की गई। नियमित रूप से 400 रुपये प्रति विद्यार्थी के किराए के स्थान पर 320 रुपये की रियायती दर पर यह सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे अधिक से अधिक शैक्षणिक संस्थान इस पहल से जुड़ सकें।भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के लिए सबसे खास अनुभव उत्तर प्रदेश विधानसभा का दौरा रहा। छात्रों ने विधानसभा कक्ष और मुख्य सदन को देखा। छात्र अथर्व त्रिपाठी ने बताया कि विधानसभा जाना और सदन को प्रत्यक्ष देखना अविस्मरणीय अनुभव रहा। लोकतंत्र के बारे में किताबों में पढ़ी गई बातों को वास्तविक रूप में देखना बिल्कुल अलग और प्रेरक अनुभव था। वहीं छात्रा सान्वी शुक्ला ने लखनऊ दर्शन बस की यात्रा को रोमांचक और शिक्षाप्रद बताया, जबकि मोनिशा वर्मा ने कहा कि इस यात्रा से उन्हें शहर के इतिहास को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिला।पर्यटन विभाग की ओर से भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के लिए सहज और उत्साहपूर्ण वातावरण सुनिश्चित किया गया। यात्रा के दौरान बच्चों को हल्का नाश्ता और स्मृति–चिह्न भी प्रदान किए गए, जिससे उनका उत्साह और बढ़ा।अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य अमृत अभिजात ने बताया कि लखनऊ की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत से विद्यार्थियों और पर्यटकों को परिचित कराने वाली लखनऊ दर्शन बस सेवा ने कम समय में ही अपनी विशिष्ट पहचान बना ली है। यूपीएसटीडीसी द्वारा संचालित यह सेवा न केवल शहर के प्रमुख दर्शनीय स्थलों को जोड़ रही है, बल्कि स्कूली छात्रों के लिए शैक्षिक अनुभव का सशक्त माध्यम भी बन रही है।लखनऊ दर्शन बस सेवा के यात्रियों के लिए 28 जनवरी का दिन विशेष रहा।

ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता बढ़ाएं : विधायक

लखनऊ, (संवाददाता)। इटौंजा नगर पंचायत कार्यालय पर बृहस्पतिवार को हुई स्मार्ट चौपाल में विधायक योगेश शुक्ला ने मौजूद मुख्य अभियंता लेसा व अन्य लेसा अधिकारियों से कहा कि गर्मी का मौसम आने वाला है। इसे देखते हुए ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता बढ़ाई जाए, जिससे ओवरलोड के कारण ट्रांसफॉर्मर जलने की समस्या न हो और आपूर्ति बनी रहे। चौपाल में मुख्य अभियंता जानकीपुरम डीपी सिंह ने उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की विशेषताएं बताईं। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता सुबोध झा ने प्रतिदिन की रीडिंग की जानकारी, गलत रीडिंग से छुटकारा, मोबाइल एप से बिल भुगतान, टोल फ्री 1912 पर शिकायत निस्तारण के लाभ बताए।

किरायेदारों के साथ–साथ घुमंतू लोगों का सत्यापन कराना मुनासिब नही समझती पुलिस

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर अयोध्या)

अयोध्या।राम नगरी में किराएदारों के साथ–साथ घुमंतू लोगों के पतों का सत्यापन पुलिस करना मुनासिब नहीं समझती।देखा जाए पहले एक दशक पूर्व संबंधित थाना क्षेत्रो में तथा स्थानीय पुलिस चौकियों पर किरायेदारों से संबंधित एक रजिस्टर रहा करती थी।जिस पर संबंधित थाने के पुलिसकर्मी या फिर चौकी के पुलिसकर्मी अपने–अपने क्षेत्र में जाकर यह पता लगाते थे कि फला व्यक्ति कहां का रहने वाला है और इस क्षेत्र में कब से रह रहा है। वही दूसरे जगह से आने वाले किराएदार व मकान मालिक भी खुद संबंधित थाना क्षेत्र या निकट के पुलिस चौकी में जाकर जानकारी देते थे कि हमारे यहां भला व्यक्ति निवास कर रहा है।इससे अपराध होने पर भी अंकुश लगाया लगता था।लेकिन अब ऐसा नहीं दिखाई दे रहा है।जबकि राम मंदिर निर्माण के बाद से अयोध्या अति संवेदनशील के रूप में जाने व पहचानी जाती है।यहां की खुफिया पुलिस तथा स्थानीय पुलिस की कुंभकरण नीति तब टूटती है जब कोई आसपास के जनपदों में या फिर यहां पर कोई घटना होती है।जबकि देखा जाए तो हर थानों पर जिस तरह से त्योहार रजिस्टर, हिस्ट्री सीटर रजिस्टर व अन्य रजिस्टर होते हैं उसी तरीके से किराएदार से संबंधि रजिस्टर होते हैं परंतु यह रजिस्टर सिर्फ कागजी कार्यवाही तक ही सिमट कर रह जाता है।कोतवाली नगर क्षेत्र के साथ–साथ थाना कैंट, कोतवाली अयोध्या,थाना राम जन्मभूमि के पुलिस से अगर पूछा जाए कि आपके क्षेत्र में कितने किराएदार हैं तो यह बताना भी मुश्किल है।हां इतना जरूर है जब अभी कुछ दिन पहले लाल किला पर आतंकी हमला हुआ था तब यहां की पुलिस जगी थी और एक दो मोहल्ले में जाकर किरायेदारों, होटल,गेस्ट हाउस व अन्य जगहों पर जाकर जानकारी हासिल किया था।पुलिस कुंभकर्णी नींद से जाग कर एक–दो दिन के लिए चेकिंग अभियान चलाती है और एक दो दिन बाद फिर यह अभियान ठप्प हो जाती है।देखा जाए तो शहर के कई जगहों पर घुमंतू महिला एवं पुरुष बिना किसी डर के निवास कर रही हैं।इनके पास ना तो रहने का कोई पहचान पत्र है और ना ही संबंधित पार्षद और प्रधान का प्रमाण पत्र।क्योंकि ऐसे घुमंतू महिला एवं पुरुष का समूह एक जगह रुकने वाला नहीं रहता है हैं जो आए दिन स्थान भी बदलते रहते है।इसी तरह शहर के विभिन्न मकानों में रह रहे किरायेदारो के स्थाई पतों के बारे में ना तो मकान मालिक जानना उचित समझते हैं और ना ही संबंधित क्षेत्र के चौकी प्रभारी व पुलिसकर्मी इन मकानों में किराएदार के रूप में रह रहे लोगों की पतों का सत्यापन कराना मुनासिब समझते हैं।इस तरह शहर के कई मोहल्ला और कलोनी में खाली पड़े तथा जर्जर मकान, रेस्टोरेंट होटल गेस्ट हाउस सहित अन्य सेंटरों में चेकिंग अभियान भी करना जरुरी नहीं समझते है।शहर के कई ऐसे इलाके हैं जहां पर घुमंतू समूह में रह महिला तथा पुरुष के बारे में यहां तक की पुलिस कर्मियों की छोड़िए आसपास के लोग भी नहीं जानते कि वे वहाँ पर कबसे रह रहे है।इसके अलावा कई कालोनी के जर्जर मकानों मे संदिग्ध अवस्था में लोग दिखाई देते है। इस संबंध में सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस बीच–बीच में किराएदार, घुमंतू लोगों, रेस्टोरेंट, होटल सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर जाकर चेकिंग अभियान चलाती है और संदिग्ध पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही भी करती है।बताया कि शीघ्र ही किरायेदारों, घुमंतू लोगों के पतो का सत्यापन पुलिस करेगी और साथ ही साथ होटल, रेस्टोरेंट पर भी जाकर चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।

'मदरसा दारुल उलूम वारसिया में जलसा-ए- दस्तारबंदी संपन्न'

लखनऊ। दारुल उलूम वारसिया गोमती नगर लखनऊ के जेरे एहतिमाम जलसा–ए– दस्तारबंदी का कार्यक्रम मदरसा परिसर विशाल खंड गोमती नगर में संपन्न हुआ कार्यक्रम में खूसूसी खिताब हजरत अल्लामा मुफ्ती मुजाहिद हुसैन मिस्बाही द्वारा दिया गया इस कार्यक्रम में हजरत गुलजार मियां के हाथों इफ्ता, फजीलत, अलमियत,किरात और हिफ्ज करने वाले 84 तलबा की दस्तारबंदी की गई कार्यक्रम में दारुल उलूम वारसिया के प्रबंधक शरीफुल हसन कादरी, प्रिंसिपल मौलाना जहीर अब्बास बरकाती वरिष्ठ लिपि के मास्टर कलाम, सैयद नदीम, समाजसेवक नफीस अहमद, आशीष कुमार, सैयद मोहम्मद अमीम, मोहम्मद अलीम, के आलावा हजारो लोग उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त खबरें

श्रीराम जानकी मठ के पुजारी पर हमला जान से मारने की मिली धमकी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर के श्रीराम जानकी मठ गूलरघाट के प्रधान पुजारी रामप्रीति मिश्र (फलाहारी महराज) पर उनके पड़ोसी जितेन्द्र कुमार उर्फ दारा सिंह और उनके परिवार ने गुरुवार की शाम को हमला कर जान से मारने की धमकी दी है। पुजारी ने इस संबंध में कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुजारी रामप्रीति मिश्र ने बताया कि वे मंदिर की बाउंड्रीवाल पर मूर्ति स्थापना के लिए बैनर लगा रहे थे। इसी दौरान जितेन्द्र कुमार उर्फ दारा सिंह, उनके पिता राजेन्द्र और राजेन्द्र की पत्नी ने उन्हें गालियां दीं, धक्का देकर गिरा दिया और उनकी दाढ़ी नोचने लगे। हमलावरों ने धमकी दी कि यह जमीन उनकी है और यदि पुजारी ने इस पर कदम रखा तो उनके पैर काट दिए जाएंगे और उनकी हत्या कर दी जाएगी। रामप्रीति मिश्र के अनुसार, जितेन्द्र कुमार ने मंदिर की बाउंड्री से सटी जमीन पर अवैध रूप से निर्माण कर प्रथम तल पर मंदिर की बाउंड्री की तरफ खिड़की और दरवाजा खोल रखा है। इस संबंध में वे पहले भी अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दे चुके हैं।पुजारी ने आशंका जताई है कि यदि उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसके लिए उपरोक्त लोग जिम्मेदार होंगे। प्रधान पुजारी ने पुलिस अधीक्षक से इस मामले का संज्ञान लेने और कोतवाली थाने को उनकी जान–माल की रक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का आदेश देने की अपील की है।

एक पखवाड़े के बाद राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का समापन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के समापन कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को गुरु नानक गर्ल्स एकेडमी में किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप मे संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन ऋतु सिंह द्वारा सड़क सुरक्षा विषय की महत्ता पर तथ्यों सहित विस्तार से प्रकाश डाला गया।अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जब भी हम सड़क का उपयोग करेंकृचाहे पैदल, साइकिल, मोटरसाइकिल अथवा मोटरकार सेकृहमें सदैव सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएँ,कभी भी नशे की अवस्था में अथवा तेज रफ्तार से वाहन न चलाएँ। दो–पहिया वाहन चालक अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें तथा चार–पहिया वाहन चालक सीट–बेल्ट का प्रयोग करें।उन्होंने आगे बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री इस विषय पर अत्यंत संवेदनशील एवं चिंतित हैं। सड़क सुरक्षा कार्यक्रमों को ग्रामीण अंचलों तक पहुँचाने के उद्देश्य से ग्राम प्रधानों के स्तर तक बैठकें आयोजित कर जन–जन को जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में सभी विकास खंडों में पंचायती राज विभाग एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें उपस्थित ग्राम प्रधानों को रोड सेफ्टी से संबंधित कार्यों की जानकारी दी गई।इस अवसर पर संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन विश्वजीत सिंह द्वारा कहा गया कि सड़क सुरक्षा का विषय तभी सार्थक होगा जब हम सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों को अपने दैनिक जीवन में आदत के रूप में विकसित करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज में आमूल–चूल परिवर्तन लाने में छात्र एवं छात्राएं सबसे प्रभावी माध्यम होते हैं। जब छात्र एवं छात्राएं स्वयं सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन करेंगे, तो भविष्य में भी ऐसा करते दिखाई देंगे तथा अपने अभिभावकों को भी इन नियमों के पालन हेतु प्रेरित करेंगे।समापन समारोह में "दो–पहिया वाहन चालक हेलमेट लगाकर चलें" संदेश के प्रचार–प्रसार हेतु आयोजन में उपस्थित विभिन्न लोगों को हेलमेट वितरित किए गए तथा आरटीओ (प्रशासन) सुश्री रितु सिंह द्वारा सभी को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के अंत में संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वारा स्कूल प्रबंधन, सड़क सुरक्षा के कार्यों में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उपस्थित शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं छात्र–छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन डॉ आरपी सिंह एआरटीओ प्रवर्तन गुलाबचंद, यात्री कर अधिकारी राजेश कुमार, रानी सेंगर, प्रिंसिपल गुरु नानक एकेडमी सहित अन्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत बूथों का निर्वाचन अधिकारियों ने किया स्थलीय निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत निर्वाचक नामावली को अद्यतन किए जाने हेतु जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को फार्म–6, फार्म–6क, फार्म–7 एवं फार्म–8, घोषणा पत्र तथा ए०एस०डी०डी० सूची के साथ उपस्थित रहकर आलेख्य निर्वाचक नामावली में युवा मतदाताओं के नाम सम्मिलित करने, अपमार्जन एवं संशोधन के निर्देश दिए गए हैं।उक्त निर्देशों के अनुपालन एवं कार्यों की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनिरूद्ध प्रताप सिंह द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 275–अयोध्या के विभिन्न मतदेय स्थलों पर किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विमला देवी श्यामलाल आर्य कन्या इंटर कॉलेज अयोध्या के मतदेय स्थल संख्या 34, 35, 36, 37, 38, 39, बापू बालिका इंटर कॉलेज अयोध्या के मतदेय स्थल संख्या 121, 122, 123, 124, 125, 126 तथा साहिबदीन राम सीता राम बालिका विद्यालय, अमानीगंज के मतदेय स्थल संख्या 136, 137, 138, 139, 140, 141 का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बीएलओ को निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए पात्र मतदाताओं का नाम समयबद्ध रूप से निर्वाचक नामावली में सम्मिलित करने तथा सभी आवेदनों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

आशुतोष बने एसएसवी स्कूल के शिक्षक अभिभावक संघ के अध्यक्ष

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। एसएसवी इंटर कॉलेज में शनिवार को आयोजित शिक्षक अभिभावक संघ की द्वितीय आमसभा बैठक में सर्वसम्मति से जीएसटी विभाग में कार्यरत आशुतोष मिश्र को संघ का अध्यक्ष मनोनीत कर लिया गया।योगेश कुमार यादव को संघ का नया कोषाध्यक्ष बनाया गया है। बैठक की अध्यक्षता संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. घनश्याम यादव ने की।प्रधानाचार्य डॉ. मणि शंकर तिवारी ने बैठक का संचालन करते हुए नई कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की। उन्होंने बताया कि मौजूद अभिभावकों ने सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चयन किया है। अभिभावक जयशंकर प्रसाद, पिंकी मौर्या और सुमन तिवारी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है जबकि संघ के सभी पूर्व अध्यक्षों को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में संघ में शामिल किया गया है। दो वर्षीय नई कार्यकारिणी विद्यालय के उन्नयन और शैक्षिक माहौल को बेहतर बनाए रखने में सहयोग प्रदान करेगी। बैठक के आरंभ में शिक्षक अरुण कुमार दुबे ने सदन के समक्ष पिछली कार्यवाही को रखा। जिसका सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया। आय–व्यय की समीक्षा के बाद अभिभावक अमीरुन निशा और आशुतोष मिश्रा सहित कई अभिभावकों व शिक्षक महेश नारायण यादव, डॉ.देवेंद्र मिश्रा, वारिज नयन शर्मा, रवि प्रकाश श्रीवास्तव, जग प्रसाद मौर्य, नंद किशोर उपाध्याय, श्रुति मिश्रा व आशीष द्विवेदी ने अपने– अपने विचार रखे। बैठक को पूर्व अध्यक्ष रमाकांत पाण्डेय और जयसराज वर्मा ने भी संबोधित किया। पूर्व अध्यक्ष रमाकांत पाण्डेय के प्रस्ताव पर उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत होने पर संघ की ओर से प्रधानाचार्य डॉ. मणिशंकर तिवारी का अभिनंदन किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मिश्रा, कोषाध्यक्ष यादव और अन्य पदाधिकरियों का माल्यार्पण से स्वागत हुआ। बैठक में अभिभावक श्याम सिंह यादव, अरुण कुमार गौड़, रूपलता श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार पाण्डेय, दिनेश कुमार गुप्ता, सुमन, संदेश कुमारी, अमरजीत मौर्य, नीता सिंह, वर्षा परिहार, शाहिदा खातून, ममता निषाद, पूजा सोनकर, पूजा गोंड, आशीष कुमार सहित कई अभिभावक व शिक्षक सुरेंद्र देव तिवारी, अमर चतुर्वेदी, अनुपम कुमार, अशोक साहनी, अवधेश सिंह, राजीव शुक्ला, अक्षतेश्वर प्रसाद दुबे, सुमन यादव, स्नेहा सिंह, दुर्गा प्रसाद शर्मा, कौशल पटेल, नितिन पाण्डेय मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा जागरूकता माह के तहत आयोजित हुए कार्यक्रम

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।सड़क सुरक्षा जागरूकता माह के तहत राजा मोहन गर्ल्स पीजी कॉलेज अयोध्या में विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसके अंतर्गत छात्राओं को सड़क सुरक्षा पर शपथ दिलाया गया।कि हम प्रतिज्ञा करते हैं कि हम सड़क पर सदैव यातायात के नियमों का पालन करेंगे, तथा सुरक्षित यात्रा हेतु सदैव दो पहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनेंगे।वाहन चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट पहनेंगे ,तेज रफ्तार से वाहन नहीं चलाएंगे, लेन ड्राइविंग के नियमों का पालन करेंगे,गलत दिशा में वाहन नहीं चलाएंगे , वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करेंगे , शराब पीकर या नशे की हालत में गाड़ी नहीं चलाएंगे।सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद हेतु सदैव तत्पर रहेंगे ।जिसमें समस्त छात्राएं, प्राध्यापिकाएं, व कर्मचारी गण उपस्थित रहे। साथ ही सड़क सुरक्षा पर महाविद्यालय में क्विज , पोस्टर व प्रतियोगिता व रैली का आयोजन किया गया, रैली को महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो मंजूषा मिश्रा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया ,उक्त अवसर पर महाविद्यालय की प्राध्यापिकाएं प्रो सुषमा पाठक,प्रो सुषमा शुक्ला,प्रो कविता सिंह,प्रो सुधा राय, डॉ ज्योतिमा सिंह , महाविद्यालय के रोड सेफ्टी क्लब की संयोजिका डॉ पूनम शुक्ला उपस्थित रहीं।रैली में बच्चों ने सड़क सुरक्षा से संबंधित स्लोगन ष दुर्घटनाओं से अगर रखना है दूरी तो हेलमेट है सबसे जरूरीष ,ष रेडलाइट का रखो ध्यान नहीं तो बेटा कट जाएगा चालानष् ष्सड़क सुरक्षा के नियमों को अपनाएं,जीवन को सुरक्षित बनाएंष , ष्वाहन धीमा ही चलाए,अपना कीमती जीवन बचाएं ष आदि के माध्यम से आम जन को जागरूक किया ।जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं निशा,शिखा गुप्ता अंजलि यादव ,अनुपमा यादव, मनतासा, दीवता श्रीवास्तव, आकांक्षा निषाद ने लघु नाटिका व रील के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश दिया तथा जनपद स्तर पर तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। सड़क सुरक्षा जागरूकता माह से संबंधित समस्त कार्यक्रम प्राचार्य मंजूषा मिश्रा के निर्देशन में रोड सेफ्टी क्लब की संयोजिका डॉ पूनम शुक्ला व सदस्य डॉ ज्योतिमा सिंह व डॉ नेहा मिश्रा द्वारा किया गया।

संक्षिप्त खबरें

डीआरएम के निरीक्षण में मिली कमियां,पेयजल सप्लाई नही सुधरी तो जिम्मेदारों को करें बर्खास्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर स्थित जफराबाद थाना अंतर्गत जफराबाद रेलवे स्टेशन का डीआरएम सुनील कुमार वर्मा ने शुक्रवार को निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान कई खामियां मिली।जिस वे विफर पड़े।उन्होंने एक विभाग के कर्मियों को बर्खास्त करने की धमकी दे डाली। स्टेशन पर पहुंचकर डीआरएम श्री वर्मा ने विद्युत,पेयजल तथा शौचालय व साफ सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने पेयजल की व्यवस्था के बारे में पूछा।सम्बंधित अधिकारी ने कहा टोटियों में पानी आ रहा है।जब वे मौके पर पहुंचे तो वहां टोटी में पानी नही आ रहा था।जिसपर वह काफी भड़क गए।उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों के साथ पानी टँकी के पास बने पम्प रूम पहुंचे।वहां दरवाजे में लगे ताले की चाभी नही मिली।उन्होंने ताला तुड़वाकर अंदर देखा।वहां पर भी गड़बड़ी मिली।उन्होंने तत्काल सम्बंधित अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सोमवार तक अगर पेयजल की व्यवस्था ठीक नही हुई तो जिम्मेदार लोगों को बर्खास्त करें।इसके अलावा स्टेशन पर बने शौचालय में पानी की समस्या मिली।सैनेटरी बॉक्स में पैड नही मिले।जिसे पर उन्होंने स्टेशन अधीक्षक सुनील कुमार को निर्देश दिया कि शाम तक पैड सेनेटरी बॉक्स में रखवाकर फोटो हमको भेजे।इसके अलावा स्टेशन पर साफ सफाई की व्यवस्थाओं को तत्काल कराने के लिये कहा।इस संबंध में स्टेशन अधीक्षक सुनील कुमार को कहा कि स्टेशन ओर जो खामियां है उसे सम्बंधित विभाग को बताये।जब उन्होंने कहा कि सम्बंधित विभाग को पत्र लिखकर बता दिया गया है।इस वे सम्बंधित अधिकारियों को भी फटकार लगाए।स्टेशन पर मौजूद जनप्रतिनिधियों ने स्टेशन के आस पास कमियों को बताया तो उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी का निराकरण होगा।निरीक्षण के दौरान एडीआरएम डी के यादव,सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी,ओ पी तिवारी,रजनीश श्रीवास्तव, टीआई पंकज कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यवाहक महिला एसओ स्वेता सिंह ने महिलाओं तथा बालिकाओं को किया जागरूक

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।केंद्र व सरकार महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए एक से बढ़कर एक मिशन शक्ति अभियान पेज फाइव के तहत योजनाएं चल रही हैं। इस सभी योजनाओं का लाभ आप सभी को बढ़–चढ़कर लेना चाहिए। वही आप सभी महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी रखनी चाहिए। जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं। यह बातें शनिवार को मिशन शक्ति पेज 5 अभियान के तहत कार्यवाहक महिला थाना अध्यक्ष स्वेता सिंह ने महिला पुलिस कर्मियों के साथ पी आर मेमोरियल स्कूल बीकापुर मे बालिकाओं तथा शिक्षकों तथा वहां के आसपास रह रही महिलाओं से कहीं उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद महिलाओं तथा लड़कियों को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से यह जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया। बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें,जरूरत पड़ने पर आपको यह नंबर कम देंगे।इस मौके पर महिला उपनिरीक्षक सोनी, उप निरीक्षक संजीव मिश्रा, सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रही।

अजित पवार जी राइफल शूटिंग के कायल थे उनका असामयिक निधन राष्ट्र और महाराष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति : तरुण देवेन्द्र सिंह चौहान राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा समर्थक मंच किसान मोर्चा

उन्नाव किसान मोर्चा मंच भाजपा समर्थक मंच किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और जाने माने शार्प शूटर तरुण देवेन्द्र सिंह चौहान ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय श्री अजित पवार जी के एक विमान दुर्घटना में हुए असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में तरुण देवेन्द्र सिंह चौहान ने कहा, ष्श्री अजित पवार जी एक अत्यधिक लोकप्रिय जननेता थे, जिनका जमीनी स्तर पर जनता और विशेषकर किसान वर्ग से गहरा जुड़ाव था। उनका इस तरह अचानक चले जाना भारतीय राजनीति और महाराष्ट्र के विकास के लिए एक बड़ी क्षति है। वह अपनी प्रशासनिक कार्यकुशलता और निर्णय लेने की क्षमता के लिए सदैव याद किए जाएंगे। उनका राइफल शूटिंग में भी बहुत अच्छा हाथ था जून 2022 पुणे में उन्होंने मात्र 2 मिनट की कोचिंग में फर्स्ट टाइम में में ही राइफल से सीधे टारगेट हिट किया था, जो कि साधारण बात नहीं होती । उनसे मेरे पिता स्वर्गीय शार्प शूटर देवेन्द्र सिंह चौहान जी के काफी मधुर सम्बन्ध बन गए थे, महाराष्ट्र में उनका साथ पापा को हमेशा मिलता रहता था और वे पिता जी और माता रेनू बाला चौहान को शूटिंग के हर मेडल पर बधाई देना भूलते नहीं थे । उनका जाना मेरे लिए एक पारिवारिक क्षति है ।ष तरुण चौहान जी ने आगे कहा कि दुःख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोकाकुल पवार परिवार और उनके समर्थकों के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को यह वज्रपात सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना किया। यह दुर्घटना बारामती में लैंडिंग के दौरान हुई, जिसमें अजित पवार के साथ सवार अन्य 5 लोगों की भी मृत्यु हो गई है। महाराष्ट्र सरकार ने अजित पवार जी के सम्मान में 3 दिन के राजकीय शोक की घोषणा किया गया उनका अंतिम संस्कार गुरुवार (29 जनवरी 2026) को सुबह 11 बजे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित देश के तमाम नेताओं ने भी उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए अपनी संवेदना व्यक्त की गई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।